



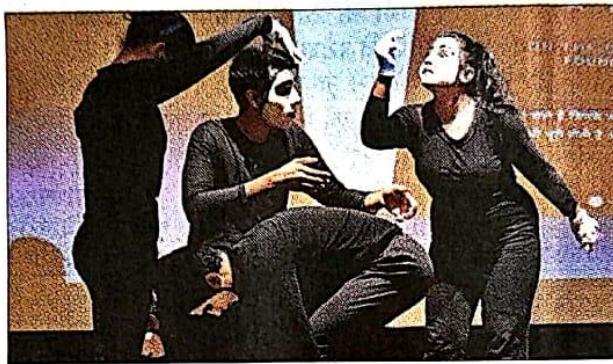
## AMAR UJALA

# पसंद के विषय पढ़ने से आती है ज्यादा कुशलता

अमर उजाला ब्लूरो

फरीदाबाद। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डॉपी सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट सिस्टम से अब प्रत्येक विद्यार्थी अपना एक अकादमिक अकाउंट खोल सकता है। उसमें अपने पसंद के विषय पढ़ने और सीखने की छूट है। इससे छात्र और शिक्षा व्यवस्था में अधिक कुशलता और लचीलापन आएगा। उक्त बातें जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के स्थापना दिवस पर अँनलाइन कार्यक्रम के दौरान कही गई।

कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। प्रो. डॉपी सिंह ने कहा कि इस संस्थान का फरीदाबाद के औद्योगिक विकास में अहम योगदान रहा है। विश्वविद्यालय को वैज्ञानिक



जेसीबोस वाईएमसीए के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम में छात्र। -संवाद

### एक विश्वविद्यालय के रूप में 12 वर्ष पूरे

जेसी विश्वविद्यालय जोकि वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिज्लोमा संस्थान के रूप में अस्तित्व में आया था। पहले वाईएमसीए इंस्टीट्यूट के रूप में जाना जाता था। संस्थान को वर्ष 2009 में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया था। इस तरह विश्वविद्यालय ने एक संस्थान के रूप में अपने 52 वर्ष और एक विश्वविद्यालय 12 वर्ष पूरे लिये हैं।

ज्ञान को आगे बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक परिवेश में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट सिस्टम का उल्लेख करते हुए कहा कि अब प्रत्येक

विद्यार्थी अपना एक अकादमिक अकाउंट खोल सकता है। पंडित मदन मोहन मालवीय के कथन का उल्लेख करते हुए यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा संस्थानों का कर्तव्य है कि गुणवत्ताप्रकार शिक्षा प्रक्रिया का पालन करते हुए विद्यार्थियों का बैंडिक

### पुरस्कार दिए गए

कार्यक्रम के दौरान आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग को सर्वश्रेष्ठ उभरते विभाग के रूप में सम्मानित किया गया। स्टोर एवं क्रूज विभाग में कार्यरत हेल्पर अटेंडेंट सतीश कुमार को विश्वविद्यालय में 25 साल की सेवा के लिए पुरस्कृत किया गया। डॉ. नीलम दुहन को एआईसीटीई विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021, भौतिकी विभाग से डॉ. प्रमोद कुमार और डॉ. योगिता, रसायन विज्ञान विभाग से डॉ. अनुराग प्रकाश तथा पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. नवीन कटारिया को यूजीसी स्टार्टअप रिसर्च ग्रांट में चयन के लिए सम्मानित किया गया। 21 शिक्षकों को शोध प्रकाशन के लिए और 25 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विकास ही नहीं अपितु व्यक्तित्व में मानवीय मूल्यों का प्रतिस्थापन करना चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने काफी कम समय में गुणवत्ता मानदंडों पर खुद को साबित किया है।



## **NEWS CLIPPING:17.09.2021**

# SATYAJAY TIMES

## जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने हर्षोल्लास से मनाया स्थापना दिवस

विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियां बनाती है खासः प्रो. दिनेश कमार

फरीदाबाद, 16 सितंबर, सत्यजय टाईप्स-गोपाल अरोड़ा। जे.सी. वोस विजन एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाराणसी। फरीदाबाद द्वारा आज अपना स्थान दिस धौंकलालस के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने उत्तरखण्ड युवा विद्यार्थियों के लिए अधिकारों, कर्मवाचारों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

जे.सी. विश्वविद्यालय जैकिं वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूपमें और अब तक वे उसके पाले विश्वविद्यालय एंटीटर्न संस्थान के रूपमें जाना जाता है। इस ईर्षीनविद्यासंस्थान को वर्ष 2009 में गज़ असलाह द्वारा विश्वविद्यालय के स्तर पर अप्रैल तक दिया गया था। इस तरह विश्वविद्यालय ने एक संस्थान के रूपमें अपने 52 वर्ष और एक विश्वविद्यालय 12 वर्ष के लिये बदला। कार्यक्रम अंतिम विश्वविद्यालय अनुभव आगे अधिक अधिक विश्वविद्यालय से संबंधित अपनी विश्वविद्यालय की विवरणों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के द्वारा विभिन्न



करने के विद्यार्थियों ने राशना प्रस्तुति दी अपने संसदीय विविधालयों के सुधारकमान देते हुए, यूनिटीज़ और एसीएस प्रोफेसरों से, मिलने करता है कि इस संसदीय परिवारवाले के औद्योगिक विकास में अहम योगदान रखा है। उर्हने कहा कि विविधालयों को वैज्ञानिक ज्ञान के ओर बढ़ावा देने के साथ-साथ आशिकाज़िक करने होंगी गणराज्य शिक्षा विभाग, 2020 के अंतर्गत एक विविधालय अनुसूची अनुसार आवश्यक द्वारा जारी की गई। एक डिप्लोमा के अंतर्गत एक उत्तरस्थ करते हुए, उर्हने कहा कि अब

प्रत्येक विद्यार्थी अपना एक अकादमिक और अकार्टर खोल सकता है। तो उसे अपने पास रखने का पहले और सीधे कोई छूट नहीं। इससे शिशा विद्यावाचीय और अधिक कुशलता और लंबालिपि अपेक्षा।

पांडु मदन महल भारतीयवेद के काम उत्तरवाच करते हुए बुद्धीमती अध्ययन करता है कि शिशा संस्कृत में विद्यार्थी को युग्मतापक शिशा प्रक्रिया का पाठ करते हुए विद्यार्थीयों का बींदूक विकास हो जाता है। अतिरुचि उक्त वाचिकम में मानवी मूल्यों का उत्तराधिकार करना चाहिए। इस शिशुण संस्कृतों को वैचाहिक स्तर

अकादमिक उल्लङ्घन साथ-साथ मानवांशिक तैयारी करने के लिए भी फलवाला जाये। उर्द्धमें विश्वविद्यालय से नई शिक्षा नियमिति के क्रियावन्मय भी अग्रणी पूर्णता के आह्वान किया। विश्वविद्यालय में अकादमिक एवं ढारामान विकास के लिए कुलपति प्रो. दिव्यांशु कुमार के योगदान के कुलपति हुए प्रो. दीर्घवर कुमार कहा कि विश्वविद्यालय ने काफी काम किया है तथा विश्वविद्यालय का समय में गुणवत्ता मानदंडों पर खुद का सावित किया है तथा विश्वविद्यालय का प्रत्येक संकाय प्रत्येक विद्यार्थी के लिए सुविधापूर्ण एवं व्यवस्था बनाई गई है। उर्द्धमें कहा

कि विश्वविद्यालय नहीं शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निया सकता है। इससे कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कुलत्रयी पर दिशा कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का स्थान दिवस उत्तरविधीयों को मानने और भावी योग्यताओं पर मनव चक्र का दिन बनाए रखें। उत्तरव जन के कि विश्वविद्यालय ने प्रियों कुलत्रयी को दीपय कर उठावने लागिए जी की है जिनमें विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा मानवता और मानवता, शैक्षणिक विकास और ऊर्जावर्भास विकास का स्थानिक है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छायों ने भी कई योग्यों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण किया है और विश्वविद्यालय को गोपनीयता दी गयी है। उत्तरव कहा कि विक्षी शिक्षण सम्बन्ध को इस तरह नियन्त्रित करने और शिक्षकों की उत्तरविधीय ही खास बनाती है। विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों को विद्यार्थीयता पर ध्यान दिया जाता है। कुलत्रयी पर ध्यान दिया जाता है। कुलत्रयी का वर्तमान महामारी की स्थिति को देखें तो हुए यह गहरी समस्या है जब विश्वविद्यालय को प्राप्ति-खोलों पर विचर किया जा सकता है। कार्यक्रम के समाप्ति पर कुलत्रयी विड़ी, एस. के. गण ने धनवन्द अंतर्राष्ट्रीय क्रिया। इस मौके पर शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जेसी कोडेन विश्वविद्यालय और हरियाणा को विश्वविद्यालय के चैक एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किया गया। कार्यक्रम के दौरान आर्योजित पुस्तकार्य विवरण समाप्त हो गया। संस्कृत एवं मंडिगु विवरण के रूप में समाप्तिनि विवरण है। स्टेट एवं राज विवरण में विवरण हेतर अटेंडेंट सीरीज़ कुमार को विश्वविद्यालय में 25 साल की सेवा के लिए पुस्तक किया गया।

डॉ. नीता दुन जो को एआरसीटीटी विश्वविद्यालय सचिवांश शिक्षक पुस्तकर 2021 और वार्षिक सदस्यों अधिनियमीकृत विवरण से डॉ. प्रभुदेव कुमार और डॉ. योगिंता विवरण से डॉ. अनुराग प्रकाश तथा पाठ्यकार्यवाही विज्ञान सम्बन्ध से डॉ. नवनीत काल्याण को कुलप्रीत स्टार्टअप सिर्स्च ग्राट में चबन के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. प्रभुदेव, शिक्षकों के प्रतिष्ठित शोध पर्याक्रमों में उनके योगी प्रबलगण के लिए और 25 विद्यार्थियों का एकाधिकारी, सामाजिक, संस्कृतिक और खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट उत्तरविधीयों के लिए सम्मानित किया गया।



**NEWS CLIPPING:17.09.2021**

### **AAJ SAMAJ**

# **जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने मनाया स्थापना दिवस**

## **आज समाज नेटवर्क**

**फरीदाबाद।** जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा बृहस्पतिवार को अपना स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने उपलब्धियों के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया। जेसी विश्वविद्यालय जोकि वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिल्लोमा संस्थान के रूप में अस्तित्व में आया था, को पहले वाईएमसीए इंस्टीट्यूट संस्थान के रूप में जाना जाता था। इस इंजीनियरिंग संस्थान को वर्ष 2009 में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया था। इस तरह विश्वविद्यालय ने एक संस्थान के रूप में अपने 52 वर्ष और एक विश्वविद्यालय 12 वर्ष पूरे लिए हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह की वर्चुअल उपस्थिति दी, जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.



हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार एवं कुलपति प्रो. दिनेश कुमार शिक्षकों को सम्मानित करते हुए साथ में कुलसचिव डॉ. एसके गग

टकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कलबों के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी।

अपने संदेश विश्वविद्यालय को शुभकामनाएं देते हुए यूजीसी अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि इस संस्थान का फरीदाबाद के औद्योगित विकास में अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक

परिवेश में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। इससे पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस उपलब्धियों को मनाने और भावी योजनाओं पर मंथन करने का दिन है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई उपलब्धियां हासिल की हैं जिनमें विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा मान्यता और मान्यता शैक्षणिक विकास और ढांचागत विकास शामिल हैं।



## PIONEER

# जेसी बोस विवि ने हर्षोल्लास से मनाया स्थापना दिवस

पाठ्यनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने गुरुवार को अपना स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

जेसी विवि जोकि वर्ष 1969 में एक इंडो-जर्मन डिप्लोमा संस्थान के रूप में अस्तित्व में आया था, को पहले वाईएमसीए इंस्टीट्यूट संस्थान के रूप में जाना जाता था। इस इंजीनियरिंग संस्थान को वर्ष 2009 में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के स्तर पर अपग्रेड कर दिया गया था। इस तरह विश्वविद्यालय ने एक संस्थान के रूप

विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियां बनाती हैं खास : प्रो. दिनेश कुमार

में अपने 52 वर्ष और एक विश्वविद्यालय 12 वर्ष पूरे लिये हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह की वर्चुअल उपस्थिति दी, जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्लबों के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। अपने सदैश विश्वविद्यालय को शुभकामनाएं देते हुए यूजीसी अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह



ने कहा कि इस संस्थान का फरीदाबाद के औद्योगित विकास में अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि विवि को वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक परिवेश में अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट सिस्टम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक विद्यार्थी अपना एक अकादमिक अकाउंट खोल सकता है। उसे अपने पसंद के विषय पढ़ने और सीखने की छूट है। इससे शिक्षा व्यवस्था में अधिक कुशलता और लचीलापन आएगा।

पैंडित मदन मोहन मालवीय के कथन का उल्लेख करते हुए यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा संस्थानों का कर्तव्य है कि गुणवत्ताप्रकरण शिक्षा प्रक्रिया का पालन करते हुए विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास हो नहीं अपितु उनके व्यक्तित्व में मानवीय मूल्यों का प्रतिस्थापन करना चाहिए।



**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad**

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:[proymcaust@gmail.com](mailto:proymcaust@gmail.com) | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



NEWS CLIPPING:17.09.2021

### **NAV BHARAT TIMES**

## **जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने मनाया स्थापना दिवस**

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह की वर्चुअल उपस्थिति दी, जबकि हरियाणा केंद्रीय यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कल्बों के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी।